



आ

वा

रू

दिलाना दरमा प्रकाशित

KGP के भूलो बिसारे lingos

PMT - पिया मिलन Tree
SN के सामने वाला पेड़

अंदर देखिए :

पृष्ठ 2

जिमखाना फंडा

पृष्ठ 4

नये IITs और शिक्षकों के लिए आरक्षण

पृष्ठ 5

मेस निजीकरण

पृष्ठ 6

54वाँ दीक्षांत समारोह

कहत कबीर सुनो भई साथो...

इक एसा कलायुग आएगा...

LAN, भाट, orkut छोड़ के...

Panji पढ़ने लग जाएगा !!



संस्थापना दिवस

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थापना दिवस के अवसर पर TDS और ETMS के कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम को सजाया ETMS के गायकों ने A.R. Rahman के सूफ़ी गीत “खाजा मेरे खाजा” के साथ। दिल को छू जाने वाले इस मधुर गीत ने जनता का मन मोह लिया। Classical background वाले गीत जैसे लता मंगेशकर का “बरखा बहार” सराहे गए किंतु सबसे ज्यादा तालियाँ पड़ी बॉलीवुड के हिट तरानों पर जैसे OSO का गीत “दास्ताँ” कभी अलविदा न कहना का “तुम्हीं देखो न” और ऊर्जा से भारा “टशन” का जोशीला गीत “टशन मैं”。 इन सभी से एक बात तो साफ़ है कि Kgp जनता के दिलों पर अभी भी बॉलीवुड का राज है।



TDS की production का इंतजार सभी को रहता है और इस वर्ष कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ “देवदास” के गीत पर आधारित कथक के साथ। लीक से हटकर कुछ करने के प्रयास में “Arabic Jazz Dance” प्रस्तुत किया गया। जनता ने उनके इस प्रयास को काफ़ी सराहा। TDS के इतिहास में पहली बार 2nd Year के छात्रों ने लखंयं एक गीत को choreograph कर प्रस्तुत किया। इस “Break dance” को अंजाम दिया कृष्णदु दास और अंकुर मंचना ने। बॉलीवुड के हिट गीतों का

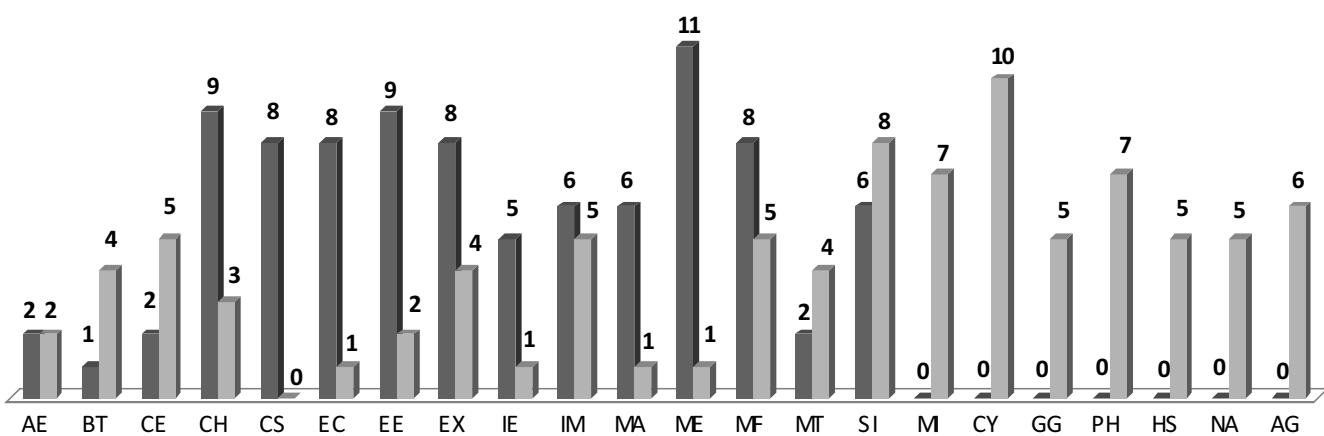
प्रक्रिया को और सख्त करना होगा।

इससे पहले शाम में VGSOM की छात्रा शगुन प्रकाश ने Foundation Day Debate में बाजी मार ली जबकि RK के शुभादित्य मज़्बूतदार ने दूसरा तथा Nehru के अंकित ककरानिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विषय था “Science, Technology and Innovation are the key drivers for socio-economic reform”. Open IIT Debate के बाद प्रथम 17 प्रतियोगियों को इस प्रतियोगिता में बुलाया गया था।

DepC चार्ट

□ No. of students LEAVING the branch

■ No. of students ENTERING the branch



फृच्छी को फंडा

जिमखाना फंडा

IIIT खड़गपुर में कदम रखने के एक महीने के अंदर-अंदर जिमखाना के विभिन्न आयाम हमारे फृच्छी को दिख ही चुके होंगे। पर वास्तविकता में ये जिमखाना है क्या? सारे लीनियर्स इसको इतना महत्व क्यों देते हैं? GSocs कौन है? VP की क्या अहमियत है? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जो कि कई बार एक साल बाद भी अनुत्तरित रह जाते हैं।

जिमखाना को अगर एक वाक्य में परिभाषित करना हो तो ये कहना उचित होगा कि जिमखाना ही kgp की लाइफलाइन है। खड़गपुर डैरी जगह, जहाँ पर कैम्पस के बाहर करने को कुछ खास नहीं है, जिमखाना ही छात्रों को साल भर व्यस्त रखता है और उनका मनोरंजन भी करता है। हमारे यहाँ जितनी भी प्रतियोगिताएँ होती हैं, उनका आयोजन करवाने का कार्य जिमखाना का है।

इसके अलावा जिमखाना IIIT के दोनों फैस्ट, SF एवं क्षितिज का भी आयोजन करवाता है। इसके अलावा भी कई कार्यों का सारा दारोमदार जिमखाना पर ही होता है।

जिमखाना में छात्र प्रतिनिधियों में सबसे उपर आता है VP। इस वर्ष RP हॉल के अर्नव हमारे VP हैं। VP छात्रों और प्रशासन के बीच पुल का कार्य करता है। साल के अन्त में होने वाले चुनावों से चयनित होने वाले VP के नीचे 6 GSocs होते हैं। इनके नीचे सेक्रेट्री होते हैं जो कि अपन-अपने क्षेत्र के सारे events सम्भालते हैं। Gsec soc-cult SF को एवं Gsec tech क्षितिज का सम्भालते हैं।

क्षितिज और SF करवाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया जाता है जो कि साल भर परिश्रम करके इन दोनों फैस्ट को करवाती है। SF और क्षितिज जनवरी के क्रमशः टीसरे और आखिरी weekend में आयोजित किये जाते हैं। क्षितिज एसिया का सबसे बड़ा technomanagement फैस्ट बन गया है। इनके अलावा कई डिपार्टमेंट भी अपना फैस्ट करवाते हैं।

kgp में कई सोसाइटीज और ग्रूप्स भी हैं जिनमें छात्र कार्य करके यहाँ की life में अपना योगदान देते हैं। हमारी आवाज भी इनमें से एक है। इसके अलावा scholars avenue है जो कि अंग्रजी परिका का प्रकाशन करता है। E-cell छात्रों में entrepreneurship के गुण डालता है। ETDS, HTDS, BTDS जहाँ अंग्रेजी, हिंदी, और बंगाली नाट्य करवाती है वहीं TDS नृत्य में छात्रों को बढ़ावा प्रदान करता है। TTG टेक्नोलॉजी के आदान प्रदान में सहभागिता देता है तो ETMS और WTMS संगीत सभाओं से हमारा मनोरंजन करता है। इनके अलावा भी कई अन्य ग्रूप्स भी छात्रों को व्यस्त रखते हैं।

इन सब के बीच कभी भी छात्रों को शहर की कमी नहीं खताती। KGP life दूसरे IIIT से काफी ज्यादा उम्दा है। आगे आगे वाले चार पाँच वर्षों में आपको इसका अनुमान हो जाएगा।

Vice President
G.Sec

Sports & Games
Soc.&Cult
Technology

Secretary

Football	सत्यम्
Hockey	चेतन यु० (कुबेर)
Tennis	सुधित पि०
Indoor Games	अभिषेक भट्टाज
Volleyball	अंकित जोशी
Basketball	रेखा सागवान
Badminton	अगम पराशार
Weight Lifting & Gymnastics	अपन अन्जन
Cricket	अंकुर जौरा
Athletics	अंकित सिंध
Aquatics	समथ शमा
Entertainment	शमनी इन्द्यास
Dramatics	घण्वर्धन आर.
Journal	रीना डी.
Literary	तुलसी नामियार
Photography	अपित गुप्ता
Films	पि. वि. कौशिक
Fine, Allied Arts & Modeling	बोमु
Web	मेघना सुधा पांडा

अर्नव

नीलाम टीवारी
विपुल कुमार
प्रतीक कुमार जैन
अभिषेक मिश्रा
उद्वित केजिविल
आशिष सोगानी

फृच्छी को फंडा

लबरो पहले लंयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) निकालकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर और भूवनेश्वर में प्रवेश पाने वाले सभी प्रथम वर्षीय छात्रों को आवाज़ की पूरी टीम की तरफ से बधाई हो। हम आपका खड़गपुर में तहे दिन से रवानगत करते हैं।

अब तक तो आपको खड़गपुर की नियाती, रंगीन व नम वातावरण तथा यहाँ के प्रसिद्ध मेस्ट के खाने से परिचय हो ही

गया होगा। हमें याद है कि जब हम पहली बार खड़गपुर में अपनी अनिवार्य आशाएँ लेकर आए थे तब हमें कई लंबीलंबी कठारों में खड़ा होना पड़ा था। प्रयोगशालाओं के लिए एक विभाग से दूसरे में खोजते फिरना, कक्षाओं के लिए मैने बिटिंग से विक्रमशिला और वहाँ से वापस आने को अभी भी हम भूले नहीं हैं। उसके बाद के NSO चयन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना वार्क्स मजेदार था। केंद्रीय ग्रांथालय को देखकर खुश होना ख्वाभाविक ही था, परंतु उसके बाद जब हमें लाइब्रेरी कार्ड मिला तो issue करने लायक कोई किताब ही नहीं बची थी। तब अचानक से इतनी बड़ी लाइब्रेरी हमें बेकार लगने लगी।

वैसे यह कहा जा सकता है कि हमारा kgp में प्रारंभिक समय काफी

रोमांचक और अचरंज भरा होने के साथ ही कई परेशानियों से भी भरा था। इसका मुख्य कारण कई जरूरी विषयों का हमें फंडा न होना था। इस तथ्य को ध्यान में रखकर हमने आपको एकेडमिक्स, इस्टीट्युट, जिमखाना आदि के बारे में बताने का प्रयास किया है ताकि आपकी समस्याओं का कुछ हृद तक समाधान हो

तो अधिकांश जनता के पास कंप्यूटर तो

नहीं ही होगा तो आप सभी शनिवार रात को नेताजी में TFS द्वारा आयोजित फिल्म देख सकते हैं, और अगर मटिट्पोक्स का आनंद उठानाही है तो कोलकाता जाने का कष्ट आपको करना पड़ेगा। अगर कॉन्सर्ट का आनंद उठाना है तो फरवरी तक का इंजार कीजिए, TOAT(Tagore Open Air Theatre) में कई नामी गिरामी हस्तियाँ आएंगी।

अकेडेस के फंडे

सर्व प्रथम तो हम आपसे ये कहेंगे कि आपने यहाँ पहुँचने के लिये जितनी मेहनत की है यहाँ उतनी फाईट मारने कि ज़रूरत नहीं पड़ेगी। पर पढ़ाई से पूर्ण जन्यास की जो प्रवृत्ति बन जाती है उससे बचना में ही भलाई है। आप याहे जितने ही sports खेल लो, drams में मचा लो, नाच लो, गा ली पर अच्छे प्लेसमेंट या आगे अच्छे कॉलेज में प्रवेश के सपने हैं तो अच्छी cg बनाकर रखना बहुत ही ज़रूरी है, cg 7.5 के ऊपर तो रहनी ही चाहिए, 8.5 बहुत ही अच्छी cg की जायेगी।

कुछ समझ आये या ना आये कलासेस को ज़रूर जायें। मिडसेम एवं एण्डसेम पर ही जिन्दगी झूलती है, अतः इन्हें बहुत गम्भीरता से लें। इनसे दस

दिन पहले भी अच्छे से पढ़ लेंगे तो अच्छे ग्रेस लग जायेंगे। और हाँ अपनी cg कभी-भी गिरने ना दें, अच्छी cg का बहुत महत्व है। लेकिन इसका यह मतलब निकालें कि आपको दिन भर मग्ना होगा। आप अकेडेस के अलावा बाकी चिजों में भी हिल्सा लें, तथा उनसे भी कुछ सीखें, अपने व्यक्तित्व के पूर्ण विकास पर ध्यान दें।

अगर आप Depc के लिए फाईट मार रहे हैं तब तो अकेडेस पर विशेष ध्यान दें। Kgp में Depc मारना कठिन नहीं है। इसका कारण है कि बाकि के IIT's के मुकाबले सबसे ज्यादा Depc के लिए seats यहाँ पर है तथा किसी भी ब्रांच से निकलने वाले छात्रों की संख्या निर्धारित न होना। अतः किसी branch के सभी छात्र भी Depc मार सकते हैं। Depc मारने वाले छात्र पूर्ण संख्या के लगभग 10% होते हैं। इस बार के आँकड़े देखें और प्रोत्साहन एवं निश्चय बनाए रखें। नित्य कलासेस जायें, लैब का काम अच्छे से करें और परीक्षाएँ न मरायें।

रोचक फंडे

- 12 Supercomputer (परम 10000) में एक I.I.T kgp के पास है। इस computer की speed 6.4 gflops है।
- सम्भवतः यहाँ का lan एशिया का सबसे बड़ा (60 tib) lan है।
- T.S.G. के पीछे मनमहोक चिप्पी तालाब है।

- I.I.T Kgp की केन्द्रीय पुस्तकालय एशिया की सबसे बड़ी पुस्तकालय है।
- इसमें 8 करोड़ Journals (print & e-journals) पर प्रति वर्ष खर्च होता है।
- करोड़ किताबों (Print e-books) पर प्रति वर्ष खर्च होता है।
- डिजिटल लाइब्रेरी में लगभग 40000 e-books, 10000 e-journals तथा 20 से अधिक डाटा बेस उपलब्ध है।

वाह रे मीटिंग्स

आँखों में सपने तिए घर से हम चल तो दिए। दिल्ली की चमचमाती भागती जिन्दगी की कहानी का इसास होने से पहले ही मुझे खड़गपुर के सूखे में हरियाली की एक किरण नजर आयी। सौभाग्य देखो मेरा, उस हर्षीन किरण का नाम भी किरण था। वो मुस्कुराता चेहरा जो पेहले ही दिन कलास में दिखा, सच कहूँ मेरी आँखों में बस गया। दुःख बस इतना था कि वह चेहरा मेरी ही नहीं बल्कि हर किसी की आँखों में विराजमान था।

उसको जानने के लिए या यूँ कहो लाईन मारने के लिए मैं हर बार उसके आस-पास बैठने लगा। पर कम्बख्त एक बार भी अपने इस दीवाने पर तो दया कहाँ खाती थी। अब तक तो मेरा compu भी आ गया। orkut का मैं और orkut मेरा 5 दिन में ही अभिन्न अंग बन गया। रातें किरण को याद करते और नवी बनियों को ऐड करते बीतने लगीं। नये दोस्त बने और वेजीस के चम्पा दा से अपनी पहचान तगड़ी होती गयी। रात भर भाट मारना, वेजीस और छेदीस पे मैगी खाना, सुबह किरण को देखने कलास जाना, और उसको देखते देखते ही सो जाना, मेरी जिन्दगी की नियति बन गयी।

समय गुजारा और उस बन्दी की चमक फैलने लगी। टीडीएस में किसी और के साथ उसको नाचते मुझसे देखा न गया। यहीं तक बात रहती तब भी गनीमत थी। उस खड़गपुर सुन्दरी ने तो हर जगह अपना जोहर दिखा दिया। रोबोटिक्स से लेकर ETMS तक हर जगह उसका नाम नजर आने लगा। खुद

में आए कॉम्प्लेक्स को दूर करने के लिए और उसकी नजर में stud बनने के लिए मैं भी 3-4 चौसाइटीस के interview दे ही आया। किस्मत तो मेरी भी बचपन से ही बुलन्द थी। 2 चौसाइटीस में मेरा सेटोव्सन भी हो गया।

फिर यहीं से सिलसिला शुरू हुआ मीटिंग्स का। पहले तो रोज़ मीटिंग में जाके बनियों से भाट मारने का यह सुनहरा नुसका बहुत भाया। पर धीरे-धीरे मीटिंग्स के नम्बर और लम्बाई में इजाफा होने लगा। साथ में काम पूरा न हो पाने पर डॉट का लोवल भी। और इस तरह मैं kgp की नाइट लाइफ में समाता चला गया। रोज 10 बजे मीटिंग जाना। 12 बजे गीटिंग के बाद दो घण्टे HJB में चाय पीना। वापस आके मूर्ति देखना और nightout मार के बिना नहाए कलास चले जाना। बस यहीं सिलसिला चल पड़ा। बस यदा-कदा जब मीटिंग न होती तो रात के 10-12-11-12 में बीत जाते थे, अन्यथा पूरा रूटीन वही रोज़ सेम सेम।

आज मैं पास आउट होने वाला हूँ। चार साल बीत गये पर आज भी वही हाल है। चला था मैं stud बनने, किरण को impress करने, वो impress तो नहीं हुई, और ना ही मैं बन पाया stud, पर इन सब के बीच मुझे मिली टीपिका। वो टीपिका जिसे मैंने इही मीटिंग्स में कभी बहुत डॉट लगायी थी। इन्ही मीटिंग्स के बीच शायद कभी उससे प्यार हुआ, और इन्ही मीटिंग्स के बीच कभी उससे इजाफा हुआ। इन मीटिंग्स ने तो मेरी life ही बना दी। वाह रे मीटिंग्स.....

मेस के भट्टे

हमने 'रमी' से पूछा आज मेस में क्या है भाई ?
"भट्टे", उधर से आवाज आई।
दिमाग में एक अजीब सी वर्तु मँडराई,
बिना देखे ही तेल की खुशबू पाई ।।

माना की Sahara, Veggies में है कुछ दम,
मगर जेब में अपने रोकड़ा है कम।
लेकर दिल में हजार गम,
मेस की और चल दिये हम ।।

दादा' ने जैसे ही थाली पकड़ाई,
हमारी नजर उस वर्तु से टक्कराई।
इक कोमटा गोरी बाला याद आयी,
मानो रवीमिंग से अभी हो बाहर आयी ।।

साथ में छोटे देख हमने किरण फोड़ी,
मेजे ने एक देहाती कहावत दोड़ी।
कि राग बनाई जोड़ी,
एक अंधा तो एक कोड़ी ।।

अब तो बस प्रभु याद आये,
प्रभु बोले "वन्स! मेरी बात तुम समझ नहीं पाये।
क्या भगवत्गीता कभी नहीं पढ़ी?
भट्टे की महिमा है वहीं पढ़ी ।"

-योगेन्द्र कुमार
पटेल हॉला



घंटाल : गुरु भारत में रह-रह के पक गया हूँ। कोई तरकीब बताओ ना सरते में विदेश जाने की।

गुरु : हम... सरते में विदेश जाना है तुझको। घंटाल अगर विदेश जाने के पैसे मिलें तो कैसा रहेगा ?

घंटाल : क्या बात कर रहे हो गुरु ! (आश्चर्यचकित होकर) ऐसा कैसे हो सकता है ?

गुरु : क्यों कभी FT के बारे में नहीं सुना क्या ?

घंटाल : FT ??? ये क्या है गुरु ?

गुरु : तू तो FT नाम सुनते ही हैं तू हो गया। FT के किसी सुन लिया तो बेहोश हो जाएगा।

घंटाल : FT.....नाम तो किसी फटीचर ट्री सा लगता है। क्या है ये आखिरकार ?

गुरु : अरे फ़्रूटात्मा, FT मतलब Foreign Training अर्थात विदेश प्रशिक्षण। हर ||Tian का सपना होता है FT !

घंटाल : अच्छा। चाजू भैया पिछो गर्मी में जो अमरीका गये थे, वो FT थी...।

गुरु : सही चमका दोस्त।

घंटाल : राजू भैया ने तो कुछ मचाया था FT में। उनके किसी से तो आज भी हर किसी कि जुबान पर हैं।

गुरु : राजू तो स्टड बनके वापस आया है। मानो या ना मानो, उसकी तो फिज़ा ही बदल गयी है।

घंटाल : पर गुरु, जाते कैसे हैं FT पे ?

गुरु : इसमें तो fight होती है घट्ट। फण्डा तो सीधा सा है। जो भी देश परसन्ड आ जाए वहाँ के एक प्रोफ को मेल मारमार के इतना frusst कर दो कि या तो तुमको बुला ही ले या तुम्हारा शिकायतनामा मेल के जरिए HOD को भेज दे।

घंटाल : कोई प्रोफ इतनी जल्दी क्यों मानेगा ? मुझे ही क्यों बुलाएगा ?

गुरु : यहीं तो cali मारनी होती है दोस्त। प्रोफ के सामने झूँठों का अम्बार लगाना होता

भगवत् गीता का एक पसिंद श्लोक है

"नैनं छिन्दंति शास्त्राणि, नैनं दहति पावकः ।

न चैनकंतेदयन्तापो, नः शोषयति मारुतः । ।

त्रष्णि मुनियों और बड़े-बड़े व्याख्याताओं ने समझाया कि भगवान विष्णु अजय-अमर आनंद के बारे में बता रहे हैं। मगर वास्तव में विष्णु जी का इशारा तो भट्टे की तरफ था।

"नैनं छिन्दंति शास्त्राणि" - इस रबड़ जैसे भट्टे को कोई भी शास्त्र काट नहीं सकता।

"नैनं दहति पावकः" - न ही इसे पेट की आग (जठराना अर्थात् भूख) जला सकती है। इसे पचाया नहीं जा सकता।

"न चैनकंतेदयन्तापो नः शोषयति मारुतः" - इस मैदे और तेल के मिश्रण को न तो पानी गला सकता है और न ही हवा सुखा सकती है।

||Tians की खूबी -

"Nothing is Impossible

इस दुनिया को बता सकते हैं।

मैस भी जिसे पगुया न पाये

उसे भी हम चबा सकते हैं।"

शुक्र मनाओ।

घंटाल : मतलब ?

गुरु : मतलब की यह सब वहाँ जाते हैं, कुछ काम करते हैं, कुछ मचाते हैं.....तो कुछ मर्खाते हैं, कुछ बनियों पटाते हैं, पर ज्यादातर खाली हाथ ही वापस आ जाते हैं। वो और बात है कि यहाँ आकर सब अलग ही कहानी बनाते हैं, Kgp की frusst जनता को F.T. के सपने दिखाते हैं, और लोगों का दिल जलाके वो खुश हो जाते हैं।

घंटाल : जो भी हो, मेरा तो मन कर रहा है F.T. मारने का।

गुरु : तो जा मेल मार और ऐशा कर।

घंटाल : Thanks for the funda गुरु।

गुरु : You are welcome. घंटे।

KGP के गुरु-घंटाल

संपादकीय

बात संपादक की

नए सत्र में आवाज़ के इस पहले अंक में सबसे पहले तो हम सभी देशवासियों को बीजिंग ऑलम्पिक में खर्च पदक जीतने की बधाई देते हैं। अभिनव बिन्दा ने ना केवल 28 साल बाद ऑलम्पिक में भारत को खर्च दिलया, बल्कि व्यक्तिक स्पर्धाओं (Individual Events) में देश के लिए पहला खर्च हासिल किया। शूटिंग में बिन्दा के प्रदर्शन से सबक लेते हुए कुश्ती में सुशील कुमार और मुक्केबाजी में विजेन्द्र कुमार ने काँच्य पदक जीतकर 2008 ऑलम्पिक को भारत के लिए, मेडल्स के हिसाब से, अबतक का सबसे बेहतरीन ऑलम्पिक बना दिया।

जहाँ हम 3 पदक लेकर फूले नहीं समा रहे, वहीं चीन, जिससे हम हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, ने 51 खर्च जीतकर तालिका में सबसे ऊपर रहते हुए अमेरिका के कई सालों के वर्षस्वर को तोड़ा। ऑलम्पिक के समापन के साथ ही देशभर में 'स्पोर्ट्स कल्चर' तथा 100 करोड़ लोगों द्वारा पदक जीतने में नाकामी की चर्चाएँ शुरू हो जाएंगी। पर यहाँ हमें प्रयास लगने के बाद कुआँ खोदने की मानसिकता से बचना होगा। हमें यह मानना होगा कि चारोंतात कोई परिवर्तन नहीं हो सकता। योजना बनाने के क्रम में हमें दूरदर्शिता का परिचय देना होगा और 2016 या 2020 ऑलम्पिक के लिसाब से तैयारी अभी से शुरू करनी होगी। इसके लिए पहला कदम होना चाहिए खेलकूद की आधारभूत सुविधाएँ मुहूर्या कराना। आशा करते हैं कि सरकार और कॉर्पोरेट्स की सुनियोजित भागिदारी से आने वाले ऑलम्पिक में हम पदक तालिका में और ऊपर

जाएंगे।

बहरहाल ऑलम्पिक से और किसी को फायदा हुआ हो या ना हुआ हो, हमारी क्रिकेट टीम को ज़रूर फायदा हुआ है। वर्षों बाद खर्च जीतने की खबर मीडिया में इस कदर छाई रही कि श्रीलंका में बुरे प्रदर्शन पर हमारी टीम मीडिया की फटकार खाने से बच गई। दूसरी ओर सं.प्र.ग (UPA) सरकार को इससे कोई फायदा न हो पाया और इसे सभी तबकों की आलीचानाओं का शिकार होना पड़ा। न्यूकिलियर डील हमारे देश के लिए फायदेमंद है या नहीं ये तो विचार करने योग्य बात है, लेकिन इसकी दिशा में जिस तरह से कादाम उठाए गए हैं उसकी निंदा कई राजनीतिक विशेषज्ञों ने की है। चाहे क्षमिता की समस्या पर ढीला रखेया हो या बढ़ती मंहगाई से लड़ने में नाकामी, ज्यादातर मुद्दों पर सरकार को आड़े हाथ ही लिया गया है। देशभर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बवजूद आनन्दानन में IITs में सीटों की संख्या बढ़ाने और 6 नए IITs शुरू करने वाली सरकार की किरकिरी तब और भी ज्यादा हो गई जब 'कट ऑफ' अंक ना हासिल कर पाने के कारण कई आरक्षित सीटें खाली रह गईं।

अब अपने संस्थान की बात करें तो नए सत्र की शुरूआत काफी नए निर्माणों के साथ हो रही है। सीटों की बढ़ी संख्या को समायोजित (accommodate) करने के लिए कुछ हाँलों में नए कमरे जोड़े जा रहे हैं साथ ही भविष्य में छात्रों की संख्या में होने वाली वृद्धि के महेनज़र लगभग 1000 कमरों के एक और हाँल के निर्माण का कार्य भी

तेजी से चल रहा है। इस वर्ष हमारे ही संस्थान में IIT भुवनेश्वर के पहले बैच के छात्र भी हमारे प्रथम वर्षिय छात्रों के साथ पढ़ रहे हैं। ये व्यावस्था वैसे तो बस इस वर्ष के लिए की गई थी, लेकिन एक वर्ष में यदि IIT भुवनेश्वर की खुद की संरचनाएँ बनकर तैयार नहीं हो जाती हैं तो यह अगले साल भी जारी रहेगी। छात्रों को हर साल बढ़ रही संख्या के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पर संस्थान ये प्रयास कर रहा है की अगले साल से छात्रों को दिक्षित ना हो और हम और ज्यादा छात्रों के आगमन में भी कोई परेशानी नहीं आए। वैसे तो सीटों की संख्या बढ़ने पर सभी का अपना मत होगा, पर यदी संख्या बढ़ ही रही है तो उसके लिए व्यापक इंतजाम होने चाहिए इसलिए संस्थान का यह प्रयास प्रशंसनीय है। हम उम्मीद करते हैं कि इन सभी समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाएगा जिससे IITs बस उल्लंघन की चिंता कर्ते जिसके लिए वो जाने जाते हैं (अर्थात् विश्वविद्यालयों का शिक्षण)।

सत्र का पहला अंक होने के कारण इस अंक में हमने प्रथम वर्ष के नए छात्रों के लिए एक पृष्ठ समर्पित किया है। आशा है अपने संस्थान को और बेहतर तरीके से जानने में ये आपकी मदद करेगा। जातेजाते सभी नव प्रवेशियों को सुखद तथा सुजनात्मक 45 वर्षों लिए आवाज़ टीम की शुभकामनाएँ। अगले अंक तक के लिए शुभविदा।

नये IITs और शिक्षकों के लिए आरक्षण

जब केंद्रिय सरकार ने IITs में छात्रों की संख्या बढ़ाने का फैसला सुनाया तो देश में अजब सी हलचल मच गई। एक ओर देश के मौहल्लों में पैड़े बैंटने लग गए थे, तो वहीं दूसरी ओर देश के बुद्धिजीवी और शिक्षा विशेषज्ञ इसके खिलाफ आवाज़ उठाने लगे थे। मुद्रा यह उठ रहा था, कि IITs की तरह प्रसिद्ध उच्च शिक्षा संस्थानों में अंख्या बढ़ाने से विद्यार्थियों का मानदंड गिर जाएगा। और इससे इन लोगों की अंतर्राष्ट्रीय पर बन चुकी साख पर ला असर पड़ सकता।

ही देखते छात्रों की बढ़ भी गई। आखिर और विद्वानों की बात ही कौन है। पर्सियन में इसी बीच एक नया प्रस्ताव पेश किया गया। और केंद्रिय सरकार ने फैसला सुना दिया कि 8 नए IITs की रचापना की जाएगी। ये IITs बिहार, ओडिशा, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, एवं मध्य प्रदेश में स्थापित किए जाने वाले थे। इनमें से पहले 6 का पहला शिक्षा सत्र प्रारंभ भी हो चुका है, जबकि आखिरी 2 अगले अकादमिक वर्ष में स्थापित किए जाएंगे।

हर नए IIT पर केंद्रिय सरकार लगभग 760 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। साथ ही सरकार ने 7 नए IIMs बनाने की घोषणा कर दी है। हर 1IM पर लगभग 250 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह मामला 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत उठाया गया है।

अगर लोगों के विचारों पर गौर किया जाए तो इसके संबंध में दो पक्ष साफ-साफ नज़र आते हैं। एक पक्ष का यह मानना है, कि सरकार ने सही कदम उठाया है। उनका कहना है कि आम आदमी को यदि उच्च स्तरीय शिक्षण का मौका उपलब्ध कराना हो, तो इससे बढ़िया तरीका हो ही नहीं सकता। हर व्यक्ति को शिक्षा का हक है। यदि IITians की संख्या

बढ़ जाती है तो अधिक लोगों को बेहतर स्थिति में पढ़ने का मौका मिलेगा। इससे देश में अधिक इंजीनियर उत्पन्न होंगे एवं देश में खुशहाली और उन्नति का मौसम बना रहेगा।

विषय का कहना कुछ ऐसा है कि छात्र संख्या के बढ़ने से IITs में आनेवाले बच्चों की गुणवत्ता पर कई सवाल उठेंगे। फिलहाल देश के अधिकतम मेधावी विद्यार्थी IITs में पढ़ने आते हैं। मगर डर तो इस बात का है कि IIT में आनेवाले लोगों की संख्या बढ़ने के कारण कई अच्छे छात्र दूसरे युनिवर्सिटी जाना पसंद करेंगे एवं शायद कुछ अयोग्य किरण के विद्यार्थी IITs में प्रवेश करेंगे। इससे न केवल IITs के बारे में लोगों की मान्यताएँ बदलेंगी। बतिक उन्हीं छात्रों को बाद में placements के समय इसका खामियाजा भगताना पड़ेगा जब कि उनकी कमी कोई गलती थी ही नहीं, और वर्त्तुलः वे एक घोर राजनैतिक चकव्यूह में मोहरे बनकर रह गए।

इसी बीच केंद्रिय सरकार का एक नया प्रस्ताव सामने आया। इस प्रस्ताव को देखकर यह महसूस हो रहा था कि सरकार विद्यार्थियों में आरक्षण कर के भी संतुष्ट नहीं है। और बतौर अगले कदम हमारी सरकार ने शिक्षकों में भी आरक्षण करने का फैसला सुना दिया। Director of Technical Education, HRD Ministry सीमा राज का वकाल्य कुछ इस प्रकार का था: "SC, ST एवं OBC शिक्षकों के पदों के IITs में आरक्षण के मुद्रण को SCIC(Standing Committee of IIT Council) की दूसरी बैठक में प्रस्तुत कर दिया गया। SCIC के अध्यक्ष ने ये सुझाव रवैशीकार कर लिए हैं। इसके अनुसार हमने तुरंत ही IITs के शिक्षक के पदों में SC, ST एवं OBC के लिए सीटें आरक्षित कर दी हैं।"

HRD मिनिस्ट्री की बात यदि मानी जाए तो शिक्षकों में 27% OBC, 15% SC एवं 7.5% ST का आरक्षण किया जाएगा। इससे IIT System पर बड़ा दबाव पड़ेगा। करीब 250 से 300 शिक्षकों को भर्ती कराना होगा। किंतु सरकार का यह कहना है कि घोर प्रयास के बाद भी यदि एक वर्ष के पश्चात ये पद खाली रह जाते हैं, तो इन पदों से आरक्षण हटाया जा सकता है।



इस समय IITs में केवल प्रबंधकीय पदों के लिए आरक्षण हो रहा है। आज तक कभी कोई अपनी जाति के बलबूते पर IITs में शिक्षक

आवाज़ टीम

मुख्य सम्पादक : कुमार अभिनव
सम्पादक : सुरेन्द्र केसरी, सुमित सिंह, अभिनव प्रसाद, विकास कुमार, पंकज कुमार सोनी
रिपोर्टर : आकाशदीप, अनुभव प्रताप सिंह, वरुण प्रकाश, गौरव अनुग्रह, अमित कुमार, अभिनव मेहता
डिजाइन टीम : अयान मजुमदार, सिद्धार्थ दोशी
रिपोर्टर्स : आशुतोष कुमार मिश्रा, आदित्य मणि झा, मनोज कुमार, शिरीश सुब्रमण्यन, कपिल गुमार्टा, सोनल श्रीवास्तव, अनुभव गर्ग, दामिली गुप्ता, अंकिता मंगल, विक्रम कदम, गौरव अग्रवाल

नहीं बना है। IIT के दरवाजे हमेशा उनके लिए खुले रहे हैं, जिनमें पढ़ने की लगन एवं पढ़ने की क्षमता हो। इस निर्देश से बेशक पूरा IIT महकमा अर्चन्ति रह गया है।

केन्द्रीय ग्रंथालय

नए शैक्षणिक सत्र में पुस्तकालय अध्यक्ष (Librarian) महोदय Dr. B.Sutradhar (नियुक्ति March 2008) की नियुक्ति उपरान्त केन्द्रीय पुस्तकालय का नवरूपण किया गया है। इसके द्वारा ,property counter , check point नवीकरण के बाद अब पहले से ज्यादा आकर्षित और व्यवस्थित हो गए हैं। Digital library में Computers की संचया बढ़ गयी है और एकाग्रित अध्ययन हेतु जहाँ अब संगीत का उपयोग कर सुलभता लाई गयी है वहीं अब जनता लाइब्रेरी में अपने लैपटाप्स ले जा सकती है। इस वर्ष से JSTOR archive access database भी Digital library में उपलब्ध है। साथ ही साथ अब पाठक पुस्तकालय के माध्यम से समाचारपत्र और कुछ प्रसिद्ध पत्रिका (वर्तमान में जिनकी संख्या 15 है) का लाभ उठा सकते हैं। इस बार पुस्तकों के आसानी से मिल जाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनः व्यवस्थित किया गया है। हॉल 1 और 2 को चौड़ा कर reference section को हॉल 1 से

2 में तथा हॉल 2 की पुस्तकों को हॉल 4 में स्थानात्मित कर दिया गया है। इसकी सुचना पाठकों को email की गई है और नोटिस बोर्ड पर भी लगायी गयी है। इसके आलागा सभी विभागों और छात्रावासों में भी सुचनाये लगाए गए हैं। कक्ष स0 1 और 2 में गर्मी से निजात पाने के लिए Hanging fan लगा दिए गए हैं सभी कक्षों में समुचित प्रकाश स्रोत की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य भवन को उपभवन से जोड़ने वाली सिली को जहा आधुनिक रूप प्रदान किया गया है वही सभी प्रसाधनों (Toilets) का भी नवीकरण किया गया है। हमारा केन्द्रीय पुस्तकालय बड़ा होने के साथ साथ दिनों दिन आकर्षित भी होते जा रहा है जो पाठकों के रुझान को बढ़ाने में भी सहायक होगा। शेष जानकारी हमें डॉ सूबधार ने आवाज को दिए साक्षात्कार में दी। आवाज पत्रिका के माध्यम से Librarian sir ने छात्रों से सुझाव देने की अपील की है।

Alumni Cell

Alumni Cell IIT के पूर्व छात्रों को अपने कॉलेज तथा batchmates से जुड़े रहने का जरिया प्रदान करने का एक अनूठा प्रयास है। इसका उद्देश्य हमारे alumni का ध्यान अपने संस्थान की तरफ आकर्षित करना है। ये सेल छात्रों के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट में भी लाभदायक होगा क्योंकि इसके जरिए खड़गपुर ने 15 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से संबंध जोड़ा है जिससे छात्रों को foreign internships पाने में काफी सूचित होगी। इस प्रकार FT के लिए हमें विभिन्न संस्थाओं में सैकड़ों ईमेल के जरिए निवेदन कराने मुक्ति मिलजाएगी। छात्र इस सूचिता का लाभ इसी वर्ष से उठा सकेंगे। हमारे alumni अपने अपने क्षेत्र में हमारे संस्थान का नाम दौशन कर चुके हैं तथा यही ब्रान्ड वैल्यू हमारे प्लेसमेंट में मदद करती है। यह उनका अपने कॉलेज के प्रति लगाव दिखाने का एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है।

ये विचार थे हमारे DOAA महोदय के। हाल ही में कालीदास सभागार में आयोजित सभा में इस वर्ष के alumnus awardees को सम्मानित किया गया।

इसी सभा में संस्थान में नव निर्मित alumni cell से DOAA ने छात्रों को परिचित कराया। इस वर्ष ये पुरुषकार 3 पूर्व छात्रों को दिया गया। इन तीनों पूर्व छात्रों ने अपने अपने क्षेत्रों में IIA का नाम दौशन किया है। डॉ शान्तनु मोहपात्रा (1957, B.Sc. Applied Geology And Geophysics passout) अब Lloyds metals and engineers के डायरेक्टर हैं। वे मुख्यनेश्वर कला केन्द्र के अध्यक्ष हैं तथा जाने माने संगीतकार भी हैं। डॉ प्रदीप के रोय (1964 ,B.Tech Hons. ,Material Science And Metallurgical Engineering) Neopad Technologies के फॉउंडर चेयरमैन हैं। डॉ अनिल के मोहपात्रा B.tech. Civil Engineering के 1961 बैच के पासआउट हैं। वे ऐश्विया रीजन के लिए वर्ल्ड बैंक में एनजी एडवाइजर हैं।

खबरें

General Motors ने IIT Kharagpur से हाथ मिलाया

General Motors ने IIT Kharagpur के साथ electronics, controls और software में शोध के लिए हाथ बढ़ाया है। हाल ही में इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मोटर कंपनी और हमारे संस्थान ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया है कि इन क्षेत्रों से सम्बंधित रनातकोत्तर दर्दर पर एक नए शैक्षिक पाठ्यक्रम की शुरूआत की जाएगी। इस कदम से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि संभवतः भविष्य में GM placements के लिए IIT Kharagpur आए हैं।

IIT Kharagpur फिर से अबलं

IIT Kharagpur को पांच विविध सर्वे क्षण एजेंसियों में से चार ने प्रथम स्थान दिया है। इसके अतिरिक्त IIT

Kharagpur शांघाई विश्वविद्यालय के प्रथम 50 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की सूची में अपनी जगह बनाने वाले दो भारतीय संस्थानों में से एक है।

KCG

पिछले दिनों कैम्पस के कुछ छात्रों ने पहल करते हुए Kharagpur Consulting Group की स्थापना की। मौजूदा societies की तुलना में इसे एक काफी नये और मिन्न प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मूलतः KCG विभिन्न कम्पनियों और संस्थानों को technology, market research, finance और legal opinions जैसे विविध विषयों पर consultancy देने का काम करेगी। KCG का यह प्रयास यदि सफल होता है तो इससे हमारे कैम्पस के छात्रों के सम्मुख एक नया क्षेत्र खुल जाएगा।

मेस निजीकरण

मेस निजीकरण कितना उचित?

पिछली गर्मियों में जहाँ IIT के छात्र कैम्पस के बाहर अपना ग्रीष्मावकाश व्यतीत कर रहे थे वहीं यहाँ उनके स्वास्थ्य को लेकर प्रश्नासन और मेस वर्करों के बीच संघर्ष चल रहा था।

जहाँ प्रश्नासन मेस को निजी हाथों में सौंपने का प्रयास कर रही थी वहीं मेस संघ इस निर्णय को मानने को तैयार नहीं था। आवाज ने दोनों पक्षों से वार्तालाप किया तो पता चला कि प्रश्नासन मेस की हालत सुधारना चाहता है और वर्तमान व्यवस्था के अनुसार उन्हें यह काम आसान नहीं लग रहा था। इसलिए वे सोच रहे थे कि मेस का निजीकरण करने से यह समस्या हटा हो सकती है। हो सकता है बहुत से छात्र भी इसका सर्वथन करें लेकिन पूर्व में लिए गये निर्णय (कुछ वर्षों पहले mmm hall का निजीकरण) का अध्ययन करने के पश्चात हम इस नीति पर पहुँचे हैं कि प्रश्नासन को अपने दायित्व का ध्यान रखते हुए अपने नियंत्रण में रखते हुए मेस की हालत सुधारनी चाहिए।

कुछ और तथ्य भी सामने आये हैं जैसे कि किसी भी निजी व्यवसायी का प्रमुख लक्ष्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना होता है और मेस भी इससे अछूता नहीं रहेगा। इसके बल्कि या तो मेस बिल में बढ़ोतारी होगी या क्षालिटी में गिरावट हो सकती है। दोनों ही पक्षों में नुकसान छात्रों का होगा।

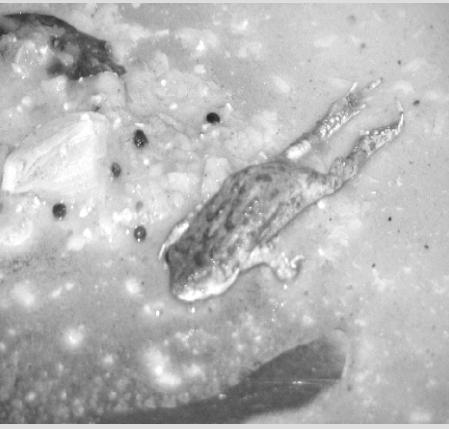
वर्तमान में तीन हॉलों में निजी मेस का संचालन हो रहा है परन्तु नियांत्रित अन्तराल पर किसी रूप में विवाद की खबरें आती रहती हैं। जैसा कि पिछले दिनों आपने सुना होगा कि HJB मेस के सांभर्त में मैंडक मिला जो कि निजी मेस का नीतीजा था और RP मेस के खाने में छिपकली मिली जो सामान्य मेस का उदाहरण है। अब छात्र किस पर विश्वास करें?

कुछ मेस प्रमुखों और मेस वर्करों से बात करने के पश्चात आवाज इस नीति पर पहुँचा कि अगर वर्तमान कार्यरत वर्करों को व्यवसायिक तरीके से प्रशिक्षित किया जाये तो संतोषजनक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

जैसा कि दुर्गापूजा शीतकालीन अवकाश एवं ग्रीष्मावकाश में प्रत्येक छात्रावास में 10-20 छात्र रहते हैं, उस वक्त मेस वर्करों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है साथ ही साथ उपरोक्त वर्षीय छात्रों को खाना भी मिल सकता है। सीधे शब्दों में “आम के आम और गुठलियों के दाम”।

Great Step '08

खनन अभियांत्रिकी विभाग 1-2 नवंबर के दौरान डिपार्टमेंट उत्सव 'GREAT STEP SUMMIT' (Geo Resource Engineering And Technology Students Teachers Employers Partnership Summit) आयोजित कर रही है। इस उत्सव में खनन अभियांत्रिकी, पेट्रोलियम और भौमिकी विभाग के छात्रों की पढ़ाई से संबंधित प्रतियोगिताएँ आयोजित किए जाएंगे। खनन अभियांत्रिकी विभाग पहली बार कोई छात्र उत्सव आयोजित करने जा रहा है। इसमें Geobotics, Geoquiz, Case study, workshops, panel discussion, Paper Presentation, Case Study, Industrial Design Problem आदि प्रतियोगिताएँ व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आवाज टीम की तरफ से शुभकामनाएँ।



विशेष

प्लॉसकॉम

I.I.T. Kgp की कई समितियों में से सबसे महत्वपूर्ण समिति है प्लॉसमेंट पर होता था। त्रिक्किन जब से I.I.T. Kgp में छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है तब से TnP का भार काफी बढ़ गया था और तब प्लॉसमेंट समिति की स्थापना की गई थी। इसका अध्यक्ष जिमखाना का V.P. होता है और बाकी सदस्यों का चुनाव एक निश्चित प्रक्रिया के द्वारा होता है। प्रक्रिया का पहला हिस्सा एक टेलिफोनिक वार्तालाप था जिसमें छात्रों को एक काल्पनिक परिस्थिति दी गई थी। इसके बाद उन्हें एक अन्य परिस्थिति भी दी गई थी जिसमें उन्हें एक कम्पनी को इमेल करना था। फिर shortlist हुए छात्रों का इंटरव्यू हुआ। इंटरव्यू में पिछले वर्ष के प्लॉसमेंट समिति सदस्य एवं प्रोफेसर गौतम सिन्हा और प्रोफेसर बी. के. माथुर (TnP Prof-in-charge) थे। इस बार प्लॉसमेंट समिति में सात सदस्य हैं।

प्लॉसमेंट समिति का काम असाधा प्लॉसमेंट से काफी पहले ही शुरू हो जाता है। पहले चरण में इसका काम होता है कम्पनियों से सम्पर्क करना और यह सुनिश्चित करना कि ज्यादा से ज्यादा एवं अच्छी कम्पनियाँ I.I.T. Kgp में प्लॉसमेंट के लिए आएं। उसके बाद कम्पनियों को उनके खर्च के अनुसार slot दिया जाता है। कम्पनियों के आजाने के बाद उनके प्रतिनिधियों की देख-रेख का सारा भार भी प्लॉसकॉम के जिम्मे होता है। इस प्रकार प्लॉसमेंट का काम सफलतापूर्वक हो पाता है।

हमने वर्तमान प्लॉसकॉम सदस्यों से बात की और पिछले वर्ष की समस्याओं

एवं उनके समाधान के बारे में विचार से उनसे चर्चा की। पिछले वर्ष कुछ विवादार्पण निर्णय लिए गए थे जैसे कि G.E. का पैकेज 3.86 लाख होने के बावजूद उसे तीसरे दिन का slot दिया गया था। इसपर उन्होंने कहा कि slot के बावजूद उसे तीसरे दिन का slot दिया गया था। इसके अंतर्गत हर विभाग से आठ या चार छात्र उस विभाग के Prof-in-charge TnP द्वारा चयन किए जाएँगे। बहुत सारे प्रोफेसरों के पास कई कम्पनियों के contacts रहते हैं। ये छात्र उनकी एक सूची तैयार करके TnP को देंगे। इसके अलावा अन्य ITs के सम्बंधित विभागों में आगे वाली core कम्पनियों की सूची तैयार की जाएगी। इस प्रकार प्लॉसकॉम का काम और भी बड़े खर्च पर पहुँच जाएगा। इस निर्णय में दूरदर्शिता साफ़ जालकती है।

आवाज़ टीम की शुभकामनाएँ प्लॉसमेंट समिति के साथ हैं और हम आशा करते हैं कि प्लॉसमेंट समिति की सहायता से I.I.T. Kgp के सभी मेधावी छात्रों को सही अवसर मिल सकें।

54वाँ दीक्षांत समारोह

(प्रख्यात संगीत निर्देशक) को Distinguished Alumnus Award प्रदान किया गया।

इस वर्ष 162 Ph.D, 37 MS, 611 M.Tech., 23 MCP, 121 MBA, 168 Dual Degree, 09 MMST, 76 PGDIT, 03PGDMOM, 06 PGDRD, 12 PGDIPL, 11 PGDTNM, 99



PGDBA, 22 PGDST, 08 PGDM, 196 M.Sc., 323 B.Tech.(Hons.), और 10 B.Arch.(Hons.) डिग्रियाँ प्रदान की गयीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अनिल काकोदकर (चैयरमैन, भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग) थे। इस समारोह में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, डॉ. असित के. विश्वास, लॉर्ड एस. के. भट्टाचार्य, डॉ. अनिल काकोदकर तथा श्री बृजमोहन लाल मुंजल को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गयी। डॉ. कलाम ने चहंगुखी विकास की ओर देश को दिशा देते हुए नेतृत्व करने हेतु, डॉ. विश्वास को जल स्रोतों के प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए, लॉर्ड एस. के. भट्टाचार्य को मैन्युफैक्चरिंग साइंस में नवीन खोजों हेतु, डॉ. काकोदकर को परमाणु ऊर्जा में उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु तथा श्री मुंजल को टूलीलर्स के निर्माण द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में अनुलनीय योगदान के लिए यह उपाधि प्रदान की गयी। साथ ही इस वर्ष डॉ. अनिल के. महापात्रा (क्षेत्रिय ऊर्जा सलाहकार, एशिया क्षेत्र, वर्ल्ड बैंक), डॉ. दुवुरी सुभाराव (सचिव, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स), डॉ. प्रदीप के. रॉय (संस्थापक, नियोपैट टेक्नॉलॉजी कार्पोरेशन) तथा श्री शांतनु महापात्रा

इस वर्ष प्रदान किए गये स्वर्ण पदक

President Of India Gold Medal (For the Best Academic Performance among outgoing B.Tech. and B.Arch. students) :- Shri Rithe Rahulkumar Jagdish (Department of Electronics and Electrical Communication Engineering)

Dr. Bidhan Chandra Roy Memorial Gold Medal (For the Best All-Round Performance among outgoing B.Tech. and B.Arch. students) :- Shri Indrajit Mal (Department of Metallurgical and Materials Engineering)

The Prime Minister of India Gold Medal (For the Best Academic Performance among outgoing Dual Degree and Integrated M.Sc. students) :- Shri Goparaju Sreechakra (Department of Electronics and Electrical Communication Engineering)

Dr. Jnan Chandra Ghosh Memeorial Gold medal (For the Best All-Round Performance among outgoing Dual Degree and Integrated M.Sc. students) :- Shri Kumar Pushpesh (Department of Computer Science and Engineering)

Professor Jagdish Chandra Bose Memorial Gold medal (For the Best Academic Performance among outgoing students of all 2-year M.Sc. Courses in the Science Disciplines) :- Shri Arjun Sengupta (Department of Chemistry)

The Director's Gold Medal (For the Best Academic Performance among the students completing M.Tech. and MCP) :- Shri Girish Gokuldasan (Department of Computer Science and Engineering)

Technology
कॉर्ट्स
कॉर्नर

